राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 28 | जौनपुर | बुधवार, 10 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

कोई वोट बर्बाद न हो, सही तरह करें मतदान : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद भवन में भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान पार्टी के 10% जनप्रतिनिधि सोशल मीडिया पर निष्क्रिय पाए गए। आधे से अधिक सांसदों को साधारण सक्रियता के कारण पीला कार्ड मिला। हालांकि, 40 फीसदी सांसद सक्रियता के तमगे से नवाजे गए और उन्हें हरा कार्ड मिला। कार्यशाला में पीएम मोदी ने सांसदों का सोशल मीडिया का महत्व समझाया। कार्यशाला में प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सोशल मीडिया पर सक्रियता के लाभ गिनाए और खासकर युवा वर्ग से सीधे संवाद और संपर्क स्थापित करने के लिए इस मंच पर सक्रियता बढ़ाने का निर्देश दिया। पीएम ने कहा कि यह माध्यम वर्तमान में संवाद का सबसे विश्वसनीय और श्रेष्ठ माध्यम है। युवा वर्ग इंस्टाग्राम से प्रभावित हैं। ऐसे में युवा सांसद इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करने को अपनी पहली प्राथमिकता दें। कार्यशाला में युवा सांसद तेजस्वी सूर्या ने सोशल मीडिया के महत्व पर प्रस्तुति दी। इसी दौरान पार्टी के आईटी प्रकोष्ठ ने संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के लिए तैयार की गई रिपोर्ट कार्ड जारी किया गया। रिपोर्ट कार्ड इस साल जनवरी से अगस्त महीने के दौरान सांसदों की सोशल मीडिया से जुड़े चार अहम प्लेटफॉर्म यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स और फेसबुक पर सक्रियता से जुड़ी थी। सक्रियता के मापदंड तय करने के लिए तीन श्रेणियां निष्क्रिय, बमुश्किल सक्रिय और सक्रिय तय की गई थी। अगर किसी सांसद ने बीते एक महीने में सोशल मीडिया पर एक भी पोस्ट नहीं डाली है तो उसे लाल कार्ड दिया गया। ऐसे सांसदों की संख्या दस फीसदी थी। एक महीने में 60 से कम पोस्ट डालने वाले सांसदों को बमुश्किल सक्रिय श्रेणी में डालते हुए पीला कार्ड दिया गया। ऐसे सांसदों की संख्या 50 फीसदी थी। शेष 40 फीसदी सांसदों ने बीते एक महीने में 60 से अधिक पोस्ट डाले और इन्हें हरा कार्ड दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेला आयोजित करने का आग्रह किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही भारत के उत्थान का मार्ग है। प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि वे जिस कार्यक्रम में शामिल हों, स्वदेशी उसका हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने सांसदों को यह सलाह भी दी कि मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में सही तरीके से मतदान करें, ताकि कोई भी वोट बर्बाद न हो। सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों को जीएसटी दरों में कटौती के व्यापक प्रभाव के बारे में बताने का आग्रह किया। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने सांसदों से खासकर त्योहारी सीजन में अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों एवं व्यापारियों के साथ बैठकें करने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति चुनाव के बीच कांग्रेस ने धनखड़ की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान जारी है। इस बीच कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की चुप्पी पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति ने बीते 50 दिनों से असामान्य चुप्पी साधी हुई है और देश उनके बोलने का इंतजार कर रहा है। बीती जुलाई में जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद ही आज फिर से उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। मंगलवार को हो रहे उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है। इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बढ़त हासिल है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में धनखड़ की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए लिखा, शपिछले 50 दिनों से धनखड़ ने असामान्य चुप्पी साध रखी है। आज जब उनके उत्तराधिकारी के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही है तो देश उनके अभूतपूर्व और अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद उनके बयान का इंतजार कर रहा है। मोदी सरकार द्वारा किसानों की घोर उपेक्षा और सत्ता में बैठे लोगों के अहंकार से पैदा खतरों आदि पर अपनी चिंता व्यक्त करने के बाद धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी जगदीप धनखड़ की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, श्उपराष्ट्रपति चुनाव क्यों हो रहे हैं? पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कहां हैं? एनडीए को चुनावों में अपना बहुमत साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि भारतीय गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी बहुत मजबूत हैं। मुझे उम्मीद है कि नतीजे हमारे पक्ष में होंगे।

संक्षिप्त खबरें

संभल हिंसा पर सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क को राहत

प्रयागराज , (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामले में सपा के सांसद जिया उर रहमान बर्क को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने संभल के विशेष जज (एमपीध् एमएलए) कोर्ट में चल रही आगे की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सांसद जिया उर रहमान बर्क ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर विशेष जज की अदालत में चल रही पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की है। याचिका पर जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ सुनवाई कर रही है। 24 नवंबर 2024 को संभल स्थित जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ कोतवाली थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई थी। अब इस मामले की अगली सुनवाई तक सांसद को फिलहाल राहत मिल गई है। दरअसल, संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हुई और 20 पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल भी हो गए थे। इस मामले में संभल पुलिस ने बर्क को मुख्य आरोपी बनाया है। हालांकि, उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। सांसद का तर्क है कि उनकी गिरफ्तारी से उन्हें अपूरणीय क्षति होगी और वह घटना के दौरान संभल में मौजूद नहीं थे। बर्क के अनुसार, संभल में हिंसा के दौरान वह बेंगलुरु में थे, और एफआईआर के बारे में जानने के बाद उन्होंने मामले को बढ़ने से रोकने के लिए दिल्ली में ही रहने का फैसला किया। सांसद का कहना है कि उन्होंने समुदाय के सदस्यों से संपर्क किया और उनसे शांति बनाए रखने का आग्रह किया। संभल पुलिस ने बर्क पर हिंसा से कुछ दिन पहले मस्जिद में भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। दावा है कि उनके बयान के बाद ही अशांति भड़की थी। इसके अलावा, एफआईआर में स्थानीय विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल का भी नाम है, जो इस घटना में कथित तौर पर शामिल है। बर्क ने अपनी याचिका में आरोपों को निराधार बताया है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर होगी नमो वन और नमो पार्क की स्थापना

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक प्रस्तावित सेवा पखवाड़े की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ होने वाले सेवा पखवाड़ा में श्नमो वनश और नमो पार्क की स्थापना भी की जाए। यह आयोजन प्रधानमंत्री, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के व्यक्तित्व, कृतित्व और जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेकर समाज के गरीब, वंचित और शोषित वर्गों की सेवा का सुअवसर है। सीएम ने आगे कहा कि सेवा पखवाड़े का शुभारंभ 17 सितंबर को पीएम मोदी के जन्मदिन पर होगा। निर्देश दिया कि इस दौरान स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, वोकल फॉर लोकल के तहत मेले–प्रदर्शनी, युवाओं के बीच खेलकूद व चित्रकला प्रतियोगिताएं, मैराथन और पीएम के जीवन पर प्रदर्शनी जैसे विविध कार्यक्रम सभी जिलों में आयोजन करें। इनमें जनभागीदारी के साथ सांसद,विधायक,जन प्रतिनिधि तथा पार्टी पदाधिकारी सेवा भाव से सक्रिय रूप से शामिल हों। उन्होंने प्रत्येक आयोजन का व्यापक प्रचार–प्रसार करने और उनकी रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से नमो ऐप और सरल पोर्टल पर अपलोड करने को कहा।

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने राम मंदिर के किए दर्शन

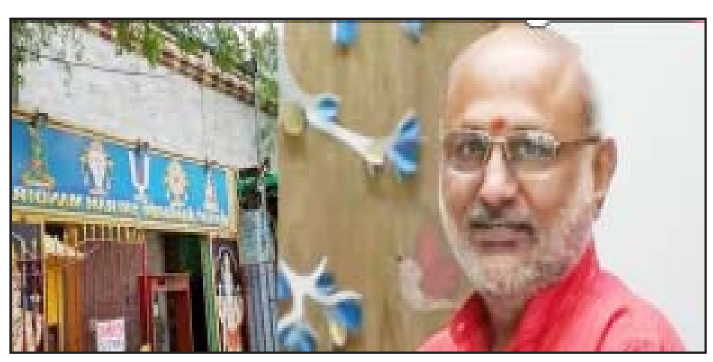

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार सुबह 10 बजे से मतदान शुरू होगा। इस बीच, एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र सदन से लोधी कॉलोनी स्थित श्री राम मंदिर में दर्शन किए। उनका मुकाबला श्इंडिया अलायंस्य के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी से है। उपराष्ट्रपति चुनाव पर केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की जीत होगी। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामभाई मोकारिया ने एनडीए उम्मीदवार की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा, सीपी राधाकृष्णन की जीत 100 प्रतिशत निश्चित है। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग 10 बजे शुरू होगी, और हमारा दायित्व है कि सीपी राधाकृष्णन को बड़े अंतर से जिताएं। वहीं, भाजपा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा, देशभर में उत्साह का माहौल है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हमें बड़ी जीत मिलने वाली है। यह खुशी का माहौल है और मुझे उम्मीद है कि सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुनाव में भारी बहुमत से जीतेंगे। भाजपा की राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने कहा, यह लोकतांत्रित व्यवस्था है और उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर हम सभी उत्साहित हैं। हम अपनी बुद्धि और विवेक के साथ मतदान करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव पर भाजपा सांसद भागवत कराड ने कहा, आज के उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के पास बहुमत है। मुझे उम्मीद है कि एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन जीतेंगे। भाजपा की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने कहा, एनडीए की पूरी योजना तैयार है और हमारी जीत निश्चित है। यह चुनाव हमारे लिए गौरव की बात है। राज्यसभा को नए उपसभापति मिलने वाले हैं और हम सब इस चुनाव को लेकर उत्साहित हैं। भाजपा के राज्यसभा सांसद मयंक नायक ने कहा, सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। एनडीए के सभी सांसद उनके पक्ष में मतदान करेंगे और हमारी जीत निश्चित है।

भारत-इस्राइल ने द्विपक्षीय निवेश समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और इस्राइल ने एक द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देना और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना है। इस्राइल के वित्त मंत्रालय के मुख्य अर्थशास्त्री शमुएल अब्रामजोन ने कहा कि यह समझौता निवेशकों के लिए स्पष्टता और स्थिरता लाएगा। उन्होंने कहा, पहले से ही दोनों देशों से निवेश हो रहे हैं और हम इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं। यही इस समझौते का मकसद है। अब्रामजोन का मानना है कि यह समझौता भारत–इस्राइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का रास्ता भी साफ करेगा। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि यह समझौता एफटीए की दिशा में भी एक कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों देशों के बीच इस विषय पर शुरुआती बातचीत चल रही है। इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इस्राइली समकक्ष बेजालेल स्मोटरिच ने सोमवार को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। हालांकि, अब्रामजोन ने कहा कि एफटीए के लागू होने की कोई निश्चित समयसीमा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल वैश्विक स्तर पर स्थिति ऐसी है, जहां भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यस्त है और इस्राइल भी अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। लेकिन जब ये प्राथमिकताएं थोड़ी स्पष्ट होंगी, तो मुझे विश्वास है कि हम भारत–इस्राइल एफटीए पर भी चर्चा का समय निकाल पाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि दोनों देशों के बीच कितना व्यापार होता है, तो उन्होंने कहा, हमारे पास कोई आधिकारिक लक्ष्य नहीं है, लेकिन हमें पूरा भरोसा है कि हम आसानी से व्यापार और निवेश को दोगुना या तीन गुना कर सकते हैं। अब्रामजोन ने यह भी कहा कि भारत–इस्राइल व्यापार केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सेवा क्षेत्र में भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा, सेवा क्षेत्र में भी बहुत संभावनाएं हैं– तकनीक और वित्तीय सेवाएं। हम चाहते हैं कि भारतीय वित्तीय कंपनियां इस्राइल में काम करें। जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ को इस्राइल कैसे देखता है, तो उन्होंने कहा कि यह अस्थायी स्थिति है और जल्द ही इसका समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि यह स्थिति अस्थायी है। भारत और अमेरिका पुराने साझेदार हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले अखिलेश का बड़ा बयान, भाजपा नेताओं को यूज एंड थ्रो करती है

लखनऊ, (संवाददाता)। उपराष्ट्रपति चुनाव के बीच, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपने नेताओं के साथ ष्इस्तेमाल करो और फेंक दोष वाली पार्टी होने का आरोप लगाया और दावा किया कि उन्होंने कथित तौर पर लापता पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ भी ऐसा ही किया था। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त संख्याबल हो सकता है, लेकिन इस चुनाव के लिए मतदान ष्अपनी अंतरात्मा की आवाज परष होना चाहिए। सपा प्रमुख ने एएनआई से कहा कि संख्याबल ठीक है, लेकिन यह मतदान अपनी अंतरात्मा की आवाज पर होता है। पूरा देश जानता है कि भाजपा एक ष्इस्तेमाल करो और फेंक दोष वाली पार्टी है। उपराष्ट्रपति के साथ भी यही हुआ, जो लापता हैं...संख्याबल हमारे पक्ष में होगा। उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को मैदान में उतारा है, जबकि विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। सपा के एक अन्य सांसद राजीव राय ने एनडीए नेताओं से ष्संविधान की रक्षाष करने और पार्टी लाइन से हटकर काम करने की अपील की। राय ने एएनआई से कहा, ष्मैं एनडीए के अपने सहयोगियों से अपील करता हूँ कि यह उनका आखिरी मौका है – चाहे वे किसी ऐसे व्यक्ति का समर्थन करें जो संविधान में विश्वास रखता हो और उसकी रक्षा करता हो, या किसी ऐसे व्यक्ति का समर्थन करें ।

विपक्ष ने बी. सुदर्शन रेड्डी की जीत का किया दावा, भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शुरू हो चुका है। इस बीच, विपक्षी गठबंधन ने अपने उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी की जीत का दावा किया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर कहा, यह चुनाव देश की आत्मा को बचाने के लिए है। अब देश की आत्मा बचाने के लिए लोगों की अंतरात्मा जागेगी तो चुनाव का नतीजा चौंकाने वाला होगा। उपराष्ट्रपति चुनाव पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, जगन और चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी और टीडीपी द्वारा जमीनी स्तर पर विरोध का दावा करने के बावजूद वे एक आरएसएस समर्थित उम्मीदवार के लिए मिलकर वोट कर रहे हैं। लोग जानते हैं कि वे जगन के खिलाफ सीबीआई मामलों का फायदा उठाकर मतदाताओं पर दबाव बना रहे हैं। इस तरह की कार्रवाइयां लोकतंत्र को कमजोर करती हैं। कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा, बी. सुदर्शन रेड्डी श्इंडिया अलायंस्य के उम्मीदवार हैं, लेकिन वास्तव में वह ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनका कोई राजनीतिक जुड़ाव नहीं है। सभी सांसदों, चाहे वे इंडिया अलायंस के हों या एनडीए के, को मतदान से पहले गंभीरता से सोचना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र संकट में है। कांग्रेस सांसद धरमवीर गांधी ने रेड्डी की जीत की उम्मीद जताई।

आर्थिक व्यवहार निष्पक्ष और पारदर्शी होने चाहिए : मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि विश्व, व्यापार और निवेश के लिए एक स्थिर और पहले से अनुमान लगाये जाने योग्य वातावरण चाहता है तथा आर्थिक व्यवहार निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी के लाभ के लिए होने चाहिए। विदेश मंत्री ने वर्चुअल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के खुले, निष्पक्ष, पारदर्शी और गैर–भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण जैसे मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा की जानी चाहिए। वर्चुअल ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, भारत का दृढ़ विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली के खुले, निष्पक्ष, पारदर्शी और गैर–भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण जैसे मूलभूत सिद्धांतों की रक्षा की जानी चाहिए। जयशंकर ने कहा, जब कई व्यवधान हों, तो हमारा उद्देश्य उसे ऐसे झटकों से बचाना होना चाहिए। इसका मतलब है कि अधिक लचीली, विश्वसनीय, अतिरिक्त और छोटी आपूर्ति शृंखलाएं बनाना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि विश्व को टिकाऊ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रचनात्मक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने कहा, बाधाएं बढ़ाने और लेन–देन को जटिल बनाने से कोई मदद नहीं मिलेगी। न ही व्यापार उपायों को गैर–व्यापारिक मामलों से जोड़ने से कोई मदद मिलेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स अपने सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रवाह की समीक्षा करके खुद की एक मिसाल कायम कर सकता है। जहां तक भारत का सवाल है, हमारे कुछ सबसे बड़े घाटे ब्रिक्स भागीदारों के साथ हैं। हम शीघ्र समाधान के लिए दबाव बना रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह अहसास आज की बैठक के निष्कर्षों का हिस्सा होगा। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह चीन के साथ भारत के बढ़ते व्यापार घाटे के बीच आई है। जयशंकर ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रणाली खुले, निष्पक्ष, पारदर्शी, गैर–भेदभावपूर्ण, समावेशी, न्यायसंगत और विकासशील देशों के लिए विशेष और विभेदक व्यवहार के साथ नियम–आधारित दृष्टिकोण के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने वॉशिंगटन की व्यापार एवं टैरिफ नीतियों की वजह से हुए व्यापार व्यवधानों पर चर्चा के लिए यह शिखर सम्मेलन आयोजित किया। शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्रिक्स के कई अन्य नेता उपस्थित रहे। जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री ने कहा कि आज दुनिया की स्थिति वास्तविक चिंता का विषय है। उन्होंने कोविड महामारी के विनाशकारी प्रभाव, यूक्रेन और मध्य पूर्व में बड़े संघर्षों, व्यापार और निवेश प्रवाह में अस्थिरता और चरम जलवायु घटनाओं को पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के सामने आई कुछ प्रमुख चुनौतियों के रूप में सूचीबद्ध किया। जयशंकर ने कहा, इन चुनौतियों के सामने, बहुपक्षीय व्यवस्था दुनिया के लिए विफल होती दिख रही है।

प्लास्टिक एक पर्यावरणीय आंतक का रूप धारण कर लिया है इसलिए अब प्लास्टिक मुक्त भारत का उद्देश्य होना चाहिए

(प्रो०फे० जी०सी० पाण्डेय (अवकाष प्राप्त) उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद)

प्लास्टिक एक ग्रीक शब्द प्लाटीकोस से बना है जिसका अर्थ होता है ऐसा नमनीय पदार्थ जो किसी आकार में ढाला जा सके। विगत 100 वर्षों में करीब 83 अरब टन से ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन हो चुका है। विश्व भर में प्लास्टिक की प्रति वर्ष खपत 100 कि०ग्रा०/व्यक्ति/वर्ष अमेरिका में है जो प्रथम पर बना है। यूरोप में 65 कि०ग्रा०, चीन में 35 कि०ग्रा०/व्यक्ति/बर्फ खपत है। वैश्विक हिस्सेदारी अनियोजित प्लास्टिक कचरा में, हिस्सेदारी चीन–25.8%ए इण्डोनेशिया–10.7%ए फिलीपींस 7.4%ए वियतनाम–6% एवं भारत 4.8% का लगभग है।

CPCB के अनुसार देश में प्रति बर्फ लगभग 56 लाख टन प्लास्टिक कचरा निकलता है। 9205 टन प्लास्टिक रिसाइकिल किया जाता है और 6137 टन प्लास्टिक प्रत्येक साल फेंक दिया जाता है। प्रत्येक रोज मेट्रो शहर में फेकी जाने वाली पालीथीन दिल्ली में 690, टन, चेन्नई 429 टन, कोलकात्ता में 426 टन एवं मुम्बई में 408 टन हैं। प्लास्टिक क्या है?सिन्थेटिक फाइवर की तरह प्लास्टिक भी एक पालीमर है। जब रासायनिक पदार्थों के छोटे–छोटे यूनिट मिलकर एक बड़ा यूनिट बनाते है तो वह पालीमर कहलाता है। इसमें कई कार्बनिक एवं अकार्बनिक यौगिक होता हैं जो ज्यादातर पेट्रोकेमिकल से प्राप्त होते है। प्लाटिक मुख्यतः दो प्रकार के होते है– थर्मोसेटस या थर्मोसेटिंग प्लास्टिक और थर्मोप्लास्टिक। ये पालीमर प्राकृतिक होते है जैसे– काटन, सिल्क आदि और ये कृत्रिम भी होते है जैसे– सिंथेटिक फाइवर यानी नायलान, पालीस्टर, रेयान, एक्रेलिक, आदि। थर्मोप्लास्टिक गरम होने पर अपना आकार आसानी से बदल देते है लेकिन थर्मोसेटिंग प्लास्टिक गर्म होने के बावजूद भी अपना आकार नहीं बदलते। पालिथीन एवं पी.बी.सी. थर्मोप्लास्टिक तथा इनका प्रयोग खिलौनों एवं कंटेनरों के निर्माण में होता है। बैकेलाइट एवं मैलामाइन प्लास्टिक है जिसका प्रयोग बिजली के सामान के निर्माण में किया जाता है। इसके अलावा, उन्हें बायोडिग्रेडेकल इन्जीनियरिंग और इलास्टोलमेर प्लास्टिक के रूप मं वगीकष्त किया जा सकता है। जिस रूप में आज हम पालीथीन देखते है इसकी खोज 27/3/1933 को हुई जिसको बनाने वाले एरिक फांसेट एवं रेजिनाल्ड गिब्सन तब तक नही जानते थे कि उनकी खोज मानवता का कल्याण करने के बजाए, पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती बन जायेगी। आज विश्व के बाजार में सफलतापूर्वक अपनी जगह बना लिया। आधुनिक, हल्के वजन के शापिंग बैग का अविष्कार स्वीडिश इंजीनियर स्टेन गुल्ताफ थुलिन को माना जाता है। 1960 के दशक की शुरूआत में उन्होंनें प्लास्टिक के प्लेट ट्यूब को फोल्ड, वेल्ड और डाई–कट के जरिए एक पीस बैग बनाया था।

विश्व में आज कुल कितना प्लास्टिक है उसका 1/2 पिछले 15 सालों में उत्पादित हुआ और अनुमान है कि बर्फ 2050 में प्लास्टिक का वैश्विक उत्पादन दुगुना हो जायेगा। प्रत्येक वर्ष औसतन 30 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा जमा हो रहा है। यह पष्थ्वी पर मनुष्यों के कुल भार में बराबर यानि प्रति साल पष्थ्वी पर मनुष्य की कुल आबादी के भार के बराबर प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है। विश्व में प्रत्येक साल लगभग 5 लाख करोड़ पालिथीन बैग बनकर उत्पादन हो रहा है जिसमें 98 प्रतिशत से ज्यादा बैग बेकार छोड़ दिए जाते हैं, क्योंकि रिसाइकिल करने में नए प्लास्टिक बैग बनाने में 85 गुना ज्यादा ऊर्जा लगती है। यह बैग औसतन 20 मिनट इस्तेमाल होते है। वैश्विक संदर्भ में कुछ प्लास्टिक उत्पादों का 75 प्रतिशत अपशिष्ट बन जाता है और उनसे 87 प्रतिशत पर्यावरण में घुल मिल जाता है। एक आदमी सप्ताह में औसतन 5 ग्राम प्लास्टिक निगल जाता है।

प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग–

कांच, लोहा, स्टील, एल्युमिनियम, तांबा, पीतल, जूट, कागज एवं कपड़ा आदि से निर्मित वस्तुओं के मुकाबले प्लास्टिक में चमक–दमक होना, टिकाऊपन, रख–रखाव आसान होना, आदि के कारण इसका उपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। उद्योगों के अलावा चिकित्सा जगत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में प्लास्टिक का प्रयोग बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। आटोमोबाइल क्षेत्र में भी प्लास्टिक ने लोहा, स्टील तथा अल्युमिनियम को बहुत पीछे छोड़ दिया है। दुपहिया वाहनों एवं कारों में वजन घटाने के लिए, तथा रफ्तार बढ़ाने के लिए प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्लास्टिक के कम्प्यूटर एवं उससे सम्बन्धित पुर्जो का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ–साथ निर्माण क्षेत्र में सीबर लाइन, में पड़ने वाले पी.वी.सी. पाईप पीने के पानी में, आपूर्ति में प्रयोग होने वाली पाईप का प्रयोग किया जा रहा है। रसोई के सामान–मिक्सी, बर्तन, रेफ्रिजरेटर, शुद्ध पानी के प्रयोग होने वाले उत्पाद टी.वी. कुर्सी, मेज, चटाई, पेन आदि अन्य लेखन सामग्री में भी इसका प्रयोग हो रहा है। इसका सबसे ज्यादा प्रयोग पैकेजिंग के लिए होता है। पैकेजिंग उद्योग लगभग 200 अरब डालर तक पहुँच गया है जिसमें लगभग 8 करोड़ टन प्लास्टिक/वर्ष तैयार होता हैं, जिसका मामूली हिस्सा ही रिसाइकिल होता है। यूरोप में जो खाना बिकता है उसका 1/3 प्लास्टिक में पैक किया जाता है। यहाँ प्रति व्यक्ति/साल 31 कि०ग्रा० प्लास्टिक का कचरा निकलता है।

एक बार ही प्रयोग होने वाले प्लास्टिक–

सी.पी.सी.बी. के अनुसार भारत में बर्फ 2017–2018 में प्लास्टिक कचरे का 6,60,787,85 टन अम्बार लग गया था। प्लास्टिक कचरे का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। देश के 60 बड़े शहरों, जिनमें सर्वाधिक प्लास्टिक कचरा निकलता है। शहरों में प्रतिदिन अनुमानतः 4,059 टन प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन निकलता है जबकि पूरे देश में निकलने वाले कचरे की मात्रा अनुमानत% 24940 टन/दिन है। इनमें से 15,384 टन (60 प्रतिशत) कचरे का प्रतिदिन एकत्रण एवं पुनर्चक्रण हो पाता है। शेष 40 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे का अधिकांश हिस्सा जो एकत्र नहीं होता, वह नाले–नालियों सहित अन्य माध्यमों से जलाशयों तक पहुँच जाता है। एकत्र कचरा गैरशोधित रूप में डम्पिंग ग्राउंड मे पड़े रहकर आसपास के क्षेत्र को प्रदूषण बढ़ाता है।

सभी तरह के प्लास्टिक खतरनाक होती है, परन्तु सिंगल यूज प्लास्टिक सबसे अधिक खतरनाक है। क्योंकि सिर्फ एक बार ही प्रयोग के लिए बनाया जाता है। तकनीकी रूप से 40 माइक्रोमीटर या उससे कम स्तर के प्लास्टिक को सिंगल यूज प्लास्टिक कहा जाता है। इसका उपयोग, कैरी बैग, कप, पानी या कोल्डड्रिंक की बोतले, स्ट्रा, फूड पैकेजिंग के रूप में होता है। चूंकि इस प्लास्टिक बनाने में अधिक खर्चा नहीं होता है इसलिए सब्जी, किराना आदि दुकानों पर 50 माइक्रान से कम के बैग का प्रयोग होते है जिसका रिसाइकिल नहीं किया जाता है। इसका सिर्फ 7.5 प्रतिशत ही रिसाइकिल होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्लास्टिक प्रोडक्टस में करीब 40 प्रतिशत की खपत ई–कामर्स सेक्टर में होती है। भारत में प्रति साल 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक का प्रयोग होता हैं। एक रिपोर्टानुसार दुनिया भर में 90 प्रतिशत प्लास्टिक दोबारा प्रयोग लायक नहीं होते है।

यह भी सत्य है कि रिसाइकिल की प्रक्रिया प्रदूषण को बढ़ाती है। अधिकांश देशों में आणविक, कार्बनिक व प्लास्टिक के कचरे की समस्या विकट है। विकसित देशों में इलेक्ट्रानिक कचरा विकासशील देशों में जहां खपाने की योजनाएं बड़े पैमाने पर चल रही है, वहां पर प्लास्टिक का करोड़ों टन कचरा भी लगातार खपाया जा रहा है। दुनिया के लोग नलो से आ रहे पानी के साथ प्लास्टिक के सूक्ष्म कण (प्लास्टिक फाइबर) भी पी रहे हैं। पाँच महादेशों के 12 से ज्यादा देशों के पानी के नमूनों में से 83 प्रतिशत में प्लास्टिक के कण मिले है।

प्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक–

प्लास्टिक प्रदूषण से प्रकषति, वन्य जीव और यहाँ तक की हमारे स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल पड़ता है। पालीथीन थैली में पाये जाने वाला बैक्टीरिया इतना अधिक होता है कि सेहत के लिए अति खतरनाक है। रंगीन प्लास्टिक की थैलियों, डिब्बों या दूसरे पैकिंगस में रखे पदार्थ खाने से विष तत्व धीर–धीरे शरीर में प्रवेश कर जाते है। इससे उल्टियां, हृदय का आकर बढ़ना, स्मषति भ्रंश जैसे बीमारियां हो सकती है। दूध की थैलियों और पानी की बोतलों, लंच बाक्स या डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों का सेवन, स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव डालता है। प्लास्टिक के बर्तनों कप–प्लेटो में खाने और कोल्डड्रिंक आदि पेय पदार्थ कुछ समय तक उनमें रखने के कारण रासायनिक क्रियाओं से विषाक्त होने के कारण सांस, त्वचा आदि की बीमारियां बढ़ाती हैं। गर्भवती महिलाओं के गर्भ में पल रहे शिशु का विकास रूक सकता है तथा प्रजनन अंगों को नुकसान पहुँचा सकता है। इसके प्रयोग होने वाला बिस्फेनाल रसायन शरीर में मधुमेह व लीवर एन्जाइम को असामान्य कर देता है। कचरे के रूप में बचा प्लास्टिक मनुष्यों एवं जानवरों सहित प्रकषति को भी भारी नुकसान दे रहा है।

प्लास्टिक को जलाने से कार्बन डाई–आक्साइड, कार्बन मानो–आक्साइड एवं नाइट्रिक आक्साइड, जैसे विषाक्त गैसे निकलती हैं जो आंखों में जलन तथा पानी आने की समस्या उत्पन्न करती है। इनकी मौजूदगी सांस की समस्या फेफड़ों की बीमारी/ ब्रोंकाइटिस जैसी परेशानी पैदा करती है। गर्मी एवं धूप के कारण, प्लास्टिक से, विषैली प्रभाव उत्पन्न होते है जिससे कैन्सर होने की सम्भावना होती है। अनेकों शोधों से पता चला कि प्लास्टिक से बनी बोतले अगर कुछ समय के लिए सूर्य के प्रभाव में रहती है तो उनमें मौजूद पानी जहरीला हो जाता है तथा इस पानी को लगातार पीने से पेट में कैन्सर हो सकता है। पॉलिथीन में कैडमियम, जिंक, लैड, मरकरी आदि का प्रयोग किया जाता है जिससे पॉलिथीन की थैलियों में रखी खाद्य सामग्री 15 मिनट में मीठा जहर बन जाती है। अनेकों सर्वेक्षण से पता चला है कि 93 प्रतिशत लोगों, के मूत्र सैम्पल में, प्लास्टिक के कण पाये जाते है।

समुद्र में लगभग 51 ट्रिलियन सूक्ष्म प्लास्टिक कण मौजूद है जो समुद्रीयों प्रजातियों द्वारा खा लिये जाते है और चूंकि ये प्रजातियाँ भोजन का हिस्सा होती है, इस लिए यह प्लास्टिक घूम–फिरकर हमारे शरीर में पहुँच रही है जो कैन्सर जैसे रोगों को जन्म दे रही है। अक्सर लोग थैलियों में गर्म चाय लेते है, परन्तु इसका पता तुरन्त नहीं चलता लेकिन लम्बे अन्तराल के बाद कैन्सर का कारण बनता है। कम लेवल का रसायन शरीर में आने के बाद, लोकल लेवल पर, आंत में इरीटेशन देता है, दस्त होने लगते है। अगर रसायन का स्तर शरीर में अधिक हो जाय तो लीवर, किडनी और बोनमैरो पर बुरा असर हो सकता हैं तथापि आगे चलकर कैन्सर का रूप ले सकता हैं जिससे स्तन कैन्सर तथा पुरूषों में स्पर्म काउंट घटने की सम्भावना बनी रहती है।

पहाड़ों में भी प्लास्टिक कचरा मिल रहा है इसका लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा नदियों में जा रहा है तथा कचरा समुद्रों में भी मिल रहा है। समुद्र में होने वाले प्रदूषण लगभग 800 जीवों को खतरा पैदा कर रहा है क्योंकि समुद्री जीव प्लास्टिक को खाना समझकर खा लेते है जिससे उनके फेफड़े या सांस नली में फंस जाता है और मौत हो जाती है। कचरों के कारण ही लाखों समुद्री जीव दम तोड़ रहे है। 20 माइक्रोन से कम मोटाई वाली पॉलिथीन नालियों में जाने से सीवर लाईन को जाम कर देती है जो बाढ़ जैसे हलात पैदा करते है। पुनः चक्रीकरण प्रक्रिया में उच्च ताप पर, तरलीय गैसे निकलकर वायुमण्डल को प्रदूषित कर कार्बन डाइ–आक्साइड, कार्बन मानो–आक्साइड आदि निकालती है। प्लास्टिक कचरों में मौजूद नान–बायोडिग्रेडेबल और विषाक्त अपशिष्ट पदार्थ भूमिगत जलो को भी जहरीला कर रहे है। लैण्डफिल में डाले गये प्लास्टिक जल के साथ रियेक्सन कर पानी को खतरनाक बना रहे है। पॉलिथीन पानी के साथ मष्दा को भी दूषित कर रहे हैं। मिट्टी मे दबी हुई प्लास्टिक बहुत घातक रसायन छोड़ती है तथा तथा तंत्रिका तंत्र से सम्बन्धित समस्या पैदा करती है। पिछले कुछ वर्षो से अचानक पशुओं की मरने की वर्षद्धि हुई है। इसका कारण पॉलिथीन का निगलना ही है।

भारत में किये जा रहे प्रयास–

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत बनने वाली सड़कों में अब सीमेन्ट के साथ प्लास्टिक का अत्याधिक उपयोग किया जा रहा है। इसके इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके द्वारा शोधित प्लास्टिक कचरे से ईंट बनाकर भवन निर्माण में प्रयोग किया जा रहा है। विश्व में 40 से अधिक देशों में प्लास्टिक का प्रतिबन्ध लगाया गया है। CPCB के अनुसार देश के 18 राज्यों में प्लास्टिक थैलियों की पांबदी है।

NGT ने राजधानी में 50 माइक्रान से पतली प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबन्ध लगाया है तथा इसके रखने वाले पर रू० 500 का जुर्माना लगाया है। दिनाँक 01.01.2017 से सार्वजनिक स्थानों पर सब्जी बेचने वाला तथा बूचड़खानों को रू० 10,000 का पर्यावरण प्लास्टिक वेस्ट क्षतिपूर्ति देनी होगी। देश के कई प्रदेशों ने सिंगल यूज प्लास्टिक अगर कोई व्यक्ति प्रतिबन्धित वेस्ट पब्लिक या किसी प्राइवेट प्रापर्टी में नदी, नालियों, सड़कों, झीलो, तालाबो में फेकता पाया जाता है तो उस पर रू० 100 जुर्माना लगेगा। अगर यह कचरा किसी व्यक्ति का न होकर कामर्शियल या नान कामर्शियल संस्था का होगा तो जुर्माने की राशि रू० 2500/– होगी। संसद ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगा दिया है। रेलवे ने भी इसको बैन कर दिया है। अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं ने भी अब कांच की बोतलों का प्रयोग कर रहे है। भारत में विभिन्न पर्यावरणीय दिवसों पर प्लास्टिक से होने वाले खतरों को खत्म करने का संकल्प बार–बार लिया है। प्लास्टिक जमा करने वाले लोग पुरस्कृत किये जाने लगे है। मुम्बई में स्वच्छ भारत रिसाइकलिंग मशीने लगी है।

भारत विकल्पों के प्रति सजग–

जूट, प्लास्टिक का अच्छा विकल्प है क्योंकि जूट बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है जो पर्यावरण के लिए अनुकूल है। जूट के रेशे से बोरे, झोला तथा पैकिंग सामान के साथ–साथ कालीन, दरियों, पर्दे, घरो की सजावट के समान, अस्तर और रस्सियाँ भी बनती है।

दुनिया भर के विशेषज्ञों का मानना है कि प्लास्टिक को प्रतिबन्धित करने से एक बार में पूरी तरह समस्या खत्म नहीं किया जा सकता। इसके निस्तारण के लिए सबसे प्रभावी विकल्पों में से एक विकल्प उससे ईंधन बनाना है। प्लास्टिक की उन वस्तुओं के विकल्प तलाशे जाए, जिनका प्रयोग बड़े पैमाने पर होता है। प्लास्टिक के गिलास की जगह स्टील या शीशे का गिलास रखे। माइक्रोवेव में प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करने के बजाय, कांच का बर्तन का प्रयोग करें। पिछले कुछ समय से पॉलिलेक्टाइड (पी.एल.ए.) जैसे पदार्थ आधारित प्लास्टिक का प्रयोग किया जा रहा है जो मकई स्टार्च, कसावा की जड़ें या गन्ने से बनाया जाता है। इससे फोम भी बनाया जा सकता है। पेय पदार्थों की बोतले बनाने में प्रयोग हो सकता है। प्लास्टिक के प्रयोग एवं उससे उपजे पर्यावरणीय संकट एवं होने वाले खतरों से बचाव के लिए तथा इससे निपटने के लिए गम्भीर प्रयास होने चाहिए। इनमें उपजे कई मुद्दो पर एक साथ काम करना होगा तभी हम इस विकट समस्या से पार पा सकेंगे। सरकार के प्रयास तभी सफल होंगे जब हम सब मिलकर सामूहिक सहयोग करें।

.... विविध ....

बचपन की मासूमियत का साथी

छोटे बच्चे टेडी बियर के साथ जब खेलते हैं तो उसके साथ किसी खिलौने के रूप में व्यवहार नहीं करते बल्कि ऐसा बर्ताव करते हैं, मानो वह उनका हमउम्र साथी हो। यह भाव बच्चों को सुरक्षा व साथ का संबल देता है। बच्चे अकसर अपने टेडी बियर से किसी दूसरे साथी की तरह ही बातें करते हैं। यह उनमें तनाव कम करने में मददगार है।

टेडी बियर बच्चों को रिश्तों में कोमलता और मासूमियत से रूबरू भी कराता है। टेडी बियर्स डे का महत्व हमें इस बात से समझना चाहिए कि टेडी बियर बच्चों का महज एक खिलौनाभर नहीं है बल्कि इसके पीछे कई भावनात्मक और सांस्कृतिक परतें मौजूद होती हैं। खास तौर पर जब हम अपना बचपन गुजार चुके होते हैं, उसके बाद बचपन की मासूम यादों के रूप में बचे टेडी बियर हमारे बचपन की संवेदनाओं और मासूमियत का जीवंत तोहफा होते हैं। हम सब जानते और देखते हैं कि छोटे बच्चे टेडी बियर के साथ जब खेलते हैं तो वह उसके साथ किसी खिलौने के रूप में व्यवहार नहीं करते बल्कि ऐसा व्यवहार करते हैं, मानो वह उनका एक हमउम्र साथी हो। वास्तव में यह भावना बच्चों को सुरक्षा देती है और साथ ही साथ, साथ का संबल भी देती है।

मन की बात कहने का जरिया

मनोविज्ञान में माना जाता है कि बच्चे अकसर अपने टेडी बियर से किसी दूसरे साथी की तरह ही बातें करते हैं, उससे अपनी बातें शेयर करते हैं और उसकी तरफ से भी अपने लिए जवाब देकर बहुत कुछ सीखते हैं। इसलिए टेडी बियर खिलौनों से ऊपर की चीज होती है। शायद यही वजह है कि जो भी उपहार में टेडी बियर देता है, वह प्यार और अपनापन जताने के लिए ही देता है। यह गैर हाड़–मांस का बच्चों का दोस्त टेडी बियर उन्हें रिश्तों में कोमलता, मिठास और मासूमियत से रूबरू कराता है। टेडी बियर को मनोवैज्ञानिक बच्चों के तनाव को घटाने वाला साथी या खिलौना करार देते हैं।

बच्चों को तोहफे की तरह मिला टेडी

अमेरिका और यूरोप के कई देशों में हुई इस संबंध में अनेक साइकोलॉजिकल स्टडीज बताती हैं कि बच्चों का अपना तनाव और उनमें अकेलेपन की जो गहन भावना होती है, वह टेडी जैसे सॉफ्ट टॉय को गले लगाने से कम होती है। वैसे शायद आपको पता ही हो टेडी बियर का नाम अमेरिका के राष्ट्रपति थियोडोर रुजवेल्ट की एक घटना से जुड़ा है। दरअसल उन्होंने एक शिकार के दौरान एक भालू को मारने से इंकार कर दिया था। बाद के सालों में जब वह राष्ट्रपति बन गये, तब अमेरिका में उनकी इंसानियत और करुणा की यह घटना एक ऐसे खिलौने के रूप में दुनियाभर के बच्चों को तोहफे के जैसे मिली, जो प्यार और दुलार की भावना से ओतप्रोत था। इसलिए टेडी बियर चाहे जहां इस्तेमाल किया जाता हो, वह प्यार और करुणाभरे दोस्त के रूप में ही जाना जाता है। वैसे आज टेडी बियर बच्चों के खिलौनों के रूप में दुनिया के सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और यह बच्चों को दिये जाने वाले तोहफे का सबसे बड़ा हिस्सा है। त्योहारों, वैलेंटाइन डे, बच्चों के जन्मदिन और ऐसे ही कई मौकों पर अब पूरी दुनिया में उन्हें टेडी बियर गिफ्ट किये जाने का चलन है।

ग्लोबल गिफ्टिंग का चलन

वैसे भारत में टेडी बियर डे को विशेष रूप से 10 फरवरी के रूप में देखा और जाना जाता है। मगर आजकल ग्लोबल कल्चर और ग्लोबल गिफ्टिंग ट्रेंड के कारण भारत में भी बड़े प्यार से 9 सितंबर को नेशनल टेडी बियर डे सेलिब्रेट किया जाता है। इसके पीछे बड़ा कारण सोशल मीडिया है। सोशल मीडिया के कारण आज दुनियाभर के शहरी बच्चों की परवरिश और उनकी संवेदनाएं लगभग एक जैसी ही हो रही हैं। इसलिए अमेरिका में भले यह चाइल्ड हुड नॉस्टेल्जिया हो, पर भारत में भी अब बच्चे और हाल में युवा हुए युवाओं को भी इस दिन से खास लगाव है।

इस बार श्राद्ध में लगाएं केसरिया खीर का भोग

श्राद्ध के दौरान पितरों को खीर का भोग लगाना बेहद शुभ और आवश्यक माना जाता है। खीर को पवित्र और सात्विक भोजन माना गया है और इसमें शुद्धता व मिठास का भाव पितरों को प्रसन्न करता है। इस बार आप चाहें तो उन्हें केसरिया खीर का भोग लगा सकते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ–साथ बनानी भी बेहद आसान है।

केसरिया खीर बनाने की सामग्री

– बासमती चावल – कप
– दूध – 1 लीटर
–चीनी – कप (स्वादानुसार)
– इलायची पाउडर – चम्मच
– केसर (जाफरान) – 8–10 धागे
–बादाम–काजू – 2–2 बड़े चम्मच (कटा हुआ)
– किशमिश –1 बड़ा चम्मच
– घी –1 छोटा चम्मच

केसरिया खीर बनाने की विधि

– सबसे पहले चावल को धोकर 30 मिनट के लिए पानी में भिगो दें।
–दूध को उबालने के लिए एक गहरे बर्तन में रख दें और धीमी आंच पर पकने दें।
–अब भीगे हुए चावल डालकर धीमी आंच पर मिलाते हुए पकाएं।
–जब चावल नरम हो जाएं और दूध गाढ़ा होने लगे तो उसमें चीनी डालें।
–इलायची पाउडर, केसर के धागे (1 चम्मच गुनगुने दूध में घोले हुए), बादाम–काजू और किशमिश डालकर अच्छे से मिलाएं।
–5–7 मिनट धीमी आंच पर पकाकर गैस बंद कर दें।
–ऊपर से थोड़े कटे मेवे और केसर से गार्निश करें।

श्राद्ध में महत्व

खीर पितरों को तृप्त करने वाला सात्विक भोजन है। केसर और इलायची इसकी सुगंध और पवित्रता को और बढ़ाते हैं। इसे श्राद्ध की थाली में शामिल करने से पितर प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।

बुजुर्गो को सताने वाली ये बीमारियां अब बच्चों को कर रही ज्यादा परेशान

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि युवा भारतीयों के फेफड़ों का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है तथा हर साल फेफड़ों के कैंसर के लगभग 81,700 नए मामले सामने आ रहे हैं, जो खतरे की भयावहता को दर्शाता है। कभी बुढ़ापे की बीमारी समझे जाने वाला फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी और टीबी अब कम उम्र में पहले ही दिखाई देने लगे हैं, जिससे जनसांख्यिकीय और आर्थिक आपदा की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों ने कहा कि जो युवा सुबह–सुबह धुंध में दौड़ते हैं, जो पेशेवर लोग लंबी दूरी तक यातायात जाम से होकर यात्रा करते हैं तथा जो छात्र प्रदूषित कक्षाओं में बैठते हैं, वे हर दिन अपने फेफड़ों में जहरीली हवा भर रहे हैं।

रसोई का धुआं भी बेहद खतरनाक

विशेषज्ञों ने कहा कि यह अदृश्य बीमारी उनमें तब सामने आएगी जब वे अपने जीवन के उत्पादक वर्षों में शीर्ष पर होंगे और जब देश को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होगी। यह संकट सिर्फ बाहरी प्रदूषण तक ही सीमित नहीं है। शनिवार को आयोजित 'रेस्पिरेटरी मेडिसिन, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी और स्लीप डिसऑर्डर्सश (रेस्पिकॉन) के आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन, 'रेस्पिकॉनश 2025 में विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए साक्ष्यों से पता चला है कि रसोई का धुआं और घर के अंदर इस्तेमाल होने वाले बायोमास ईंधन धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को काफी बढ़ा रहे हैं। यह एक ऐसा खतरा है जिसे अक्सर सार्वजनिक बहसों में नजरअंदाज कर दिया जाता है। बच्चों पर भी इसका बोझ बढ़ रहा है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु के मामले में निमोनिया अभी भी वैश्विक स्तर पर 14 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है तथा प्रदूषित वायु के कारण बार–बार होने वाले संक्रमण से बच्चों का स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर हो रही है।'

स्वच्छ हवा मौलिक अधिका

रेस्पिकॉनश 2025 का उद्घाटन दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल ने किया, जिन्होंने श्वसन स्वास्थ्य को भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं के केंद्र में रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा– ष्स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं है, यह एक मौलिक अधिकार है। श्वसन स्वास्थ्य को भारत के स्वास्थ्य एजेंडे में हाशिये से हटाकर मुख्यधारा में लाना होगा। हमारी युवा आबादी के फेफड़ों की सुरक्षा, राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक ताने–बाने की सुरक्षा है। हम जहरीली हवा को अपना वर्तमान और भविष्य, दोनों चुराने की इजाजत नहीं दे सकते।

युवा पीढ़ी का स्वास्थ्य चिंता का विषय

'रेस्पिकॉनश 2025 के कार्यक्रम निदेशक और अध्यक्ष, डॉ राकेश के. चावला ने कहा–ष्अगर हम सूक्ष्म कण प्रदूषण के संपर्क को आधा कर दें और सीओपीडी, अस्थमा और टीबी के लिए दिशानिर्देश–आधारित देखभाल लागू करें तो हम हर साल सैकड़ों–हजारों लोगों को अस्पताल में भर्ती होने से बचा सकते हैं और अपने लोगों को स्वस्थ जीवन के कई साल वापस दे सकते हैं। यह केवल अस्पतालों या मरीजों के बारे में नहीं है। यह एक पूरी पीढ़ी की ताकत और जीवन शक्ति की रक्षा के बारे में है। तत्काल कार्रवाई नहीं की गई ।

अयोध्या दीपोत्सव में बनेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगी रामनगरी

लखनऊ, (संवाददाता)। रामनगरी अयोध्या में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू तट, राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर दीयों की शृंखला से अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। रामनगरी का दीपोत्सव एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से भव्य और दिव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा है। इसे बरकरार रखते हुए दीपोत्सव में भी सरयू नदी पर सबसे बड़े दीप जलाने व सबसे बड़े आरती समारोह का आयोजन होगा। इस वर्ष 26 लाख से अधिक दीयों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि दीपोत्सव केवल अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव को ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर इसकी पहचान को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दूसरे दीपोत्सव को भव्यता और दिव्यता से मनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर इस बार 26 लाख से अधिक दीयों को जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। वहीं सरयू तट पर अब तक की सबसे बड़ी आरती का आयोजन भी होगा, जिसमें 1100 से अधिक धर्माचार्य, संत–महात्मा और नगरवासी शामिल होंगे। आयोजन से तीन दिन पहले से स्थल पर तैयारी शुरू होगी। गिनीज मानकों के अनुसार डिजाइन आदि से संबंधित समन्वय स्थापित किया जाएगा।

ये लोग निभाएंगे जिम्मेदारी

इस दौरान छात्र–स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए सहयोग करेंगे। स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुरूप दीयों की सजावट, दीये जलाने, गिनती और सत्यापन की जिम्मेदारी निभाएंगे। दीपोत्सव के लिए पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं के साथ लगातार समन्वय कर रहा है।

प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को दिखाता है। इस साल अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव को पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य बनाने की तैयारियां की जा रही है।

60वां शहादत दिवस– शहीद वीर अब्दुल हमीद को दी जाएगी श्रद्धांजलि

सुल्तानपुर। शहीद वीर अब्दुल हमीद के 60वें शहादत दिवस पर बुधवार को पंडित राम नरेश त्रिपाठी सभागार सुल्तानपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 12 बजे से होगा।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीआईजी पीजीसी सीआरपीएफ त्रिसुंडी अमेठी के मदन कुमार रहेंगे।विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद

संजय सिंह और भारतीय सेना के मेजर दानिश इदरीसी शामिल होंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. ए.के. सिंह करेंगे,वहीं नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, पूर्व तहसीलदार अब्दुल हई तथा जिले के अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे।इस कार्यक्रम के संरक्षक कतार केशव यादव होंगे। आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा शहीद वीर अब्दुल हमीद एसोसिएशन सुल्तानपुर द्वारा तैयार की गई है।गौरतलब है कि 1965 के भारत–पाक युद्ध में शहीद वीर अब्दुल हमीद ने अपनी वीरता और साहस से पाकिस्तान के अत्याधुनिक पैटन टैंकों को ध्वस्त कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

हरदोई से अयोध्या तक : समाजसेवा से रामलला की सेवा तक कृष्ण मोहन की गौरवगाथा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हरदोई जिले की धरती का मान बढ़ाने वाली एक ऐतिहासिक नियुक्ति हुई है। हरदोई के सिकन्दरपुर बाजार में निवासरत संघचिंतक एवं पूर्व वन अधिकारी कृष्ण मोहन को ट्रस्ट का सदस्य बनाया गया है। यह नियुक्ति केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उस जीवन–यात्रा का प्रतीक है जिसमें विद्या, विज्ञान, प्रशासन और अध्यात्म सब एक सूत्र में पिरोए गए हैं। सितम्बर 1952 में जन्मे कृष्ण मोहन ने विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। लखनऊ विश्वविद्यालय से 1978 में एम.एससी. की उपाधि लेकर उन्होंने एटॉमिक एनर्जी विभाग में वैज्ञानिक के रूप में पाँच वर्षों तक देश की सेवा की। इसके बाद भारतीय वन सेवा में प्रवेश कर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद तक पहुँचे और 2012 में सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के पश्चात् उन्होंने अपना निवास हरदोई जिले के शाहाबाद क्षेत्र के सिकन्दरपुर गाँव में स्थायी रूप से बना लिया। यहीं रहकर वे समाजसेवा, जनसंपर्क और संगठन के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे। ग्राम की माटी से उनका जुड़ाव इतना गहरा रहा कि ग्रामीण उन्हें अपने बीच का ही मार्गदर्शक मानते हैं। नागपुर प्रवास के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से उनका आत्मिक परिचय हुआ,

जिसने उनके जीवन को नया आयाम प्रदान किया। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने संघ के कार्य में स्वयं को पूरी तरह अर्पित कर दिया। हरदोई नगर संघ चालक, अवध प्रांत संघ चालक और वर्तमान में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संघ चालक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक जीवन को गति और दिशा दी। 22 जनवरी 2024 का वह ऐतिहासिक क्षण जब श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में सम्पन्न हुई, कृष्ण मोहन उस दिव्य अनुष्ठान के यजमान रहे। इसके अतिरिक्त रामदरबार सहित परिसर के अन्य सात मन्दिरों की प्राण प्रतिष्ठा में भी उन्होंने यजमान बनकर सेवा का पुण्य पाया। वे भावविह्वल स्वर में कहते हैं कि "यह रामलला की अनुकम्पा है कि उन्होंने मुझे अपनी सेवा का अवसर प्रदान किया। यह मेरे जीवन का परम सौभाग्य है।" आज जब सिकन्दरपुर का यह गौरव राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सम्मिलित हुआ है, तो यह केवल उनकी उपलब्धि नहीं, बल्कि हरदोई की धरती का भी अभिमान है। समाजसेवा में सक्रिय रहकर जीवन व्यतीत करने वाले कृष्ण मोहन अब अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के दरबार की सेवा करेंगे।

यह कथा उस साधक की है, जिसने विज्ञान और प्रशासन से लेकर ग्राम्य जीवन व समाजसेवा तक हर क्षेत्र में अपनी आहुति दी, और अंततः स्वयं को प्रभु श्रीराम की सेवा में समर्पित कर दिया।

ऑफिस के अंदर सिर कूचकर युवक की हत्या, सुबह खून से लथपथ मिली लाश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक युवक की उसके ऑफिस में सिर कूचकर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह महिला

सफाई कर्मी झाड़ू लगाने पहुंची तो उसने खून से लथपथ लाश देखी। उसने इसकी सूचना ऑफिस के मालिक को दी। इसके बाद सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना बंथरा थाना क्षेत्र के दादूपुर की है। मूल रूप से फैजाबाद के धनुआपुर निवासी अशोक शुक्ला फैजाबाद में रोडवेज बस के चालक हैं। उनका बेटा कुनाल शुक्ला (26) दादूपुर स्थित न्यू डेस्टिन सिटी कॉलोनी में अपनी मां सुधा और बड़े भाई सौरभ के साथ रहता था। वह दादूपुर निवासी विवेक सिंह के साथ फाइनेंस की गई गाड़ियों की किस्त न अदा होने पर गाड़ियों की रिकवरी करता था। विवेक ने दादूपुर में स्वास्तिक एसोसिएट नाम से ऑफिस बना रखा है। कुनाल ज्यादातर इसी ऑफिस में रहता था। सोमवार की रात करीब 9 बजे ऑफिस से सभी लोग चले गए। कुनाल वहीं रुक गया था। मंगलवार सुबह 8 बजे सफाई के लिए महिला संगम थारू पहुंची।

संगम आफिस के अंदर दाखिल हुई तो कुनाल खून से लथपथ जमीन पर पड़ा मिला। फर्श पर काफी खून बिखरा पड़ा था। उसने आननफानन इसकी सूचना विवेक को दी। खबर फैलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर बंथरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई।

सेमीकंडक्टर और डाटा सेंटर में ताइवान का साथ लेगा यूपी

लखनऊ, (संवाददाता)। ताइवान के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए इन्वेस्ट यूपी में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर और अन्य प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दीर्घकालीन सहयोग और निवेश अवसरों पर चर्चा हुई। ताइवान के निवेशकों को यूपी के वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हब की जानकारी दी गई। बताया कि नोएडा, लखनऊ, आगरा, कानपुर में वाणिज्यिक क्षेत्र की भरपूर उपलब्धता, बिजली–पानी की आपूर्ति और प्रचुर मानव संसाधन राज्य को एशिया में डाटा सेंटर संचालन का अच्छा केंद्र बनाते हैं। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण में वैश्विक नेतृत्व क्षमता और यूपी की डाटा–प्रधान क्षेत्रों

में बढ़ती संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्षों ने आपसी संबंध का लाभ उठाने के लिए सहयोग मॉडल पर बात की। इन्वेस्ट यूपी ने ताइवान डेस्क की भी स्थापना की है, जो नई परियोजनाओं को लाने में सहयोग करेगा। साथ ही यूपी एफडीआईध्एफसीआई एवं फॉर्च्यून ग्लोबल–500 और फॉर्च्यून इंडिया–500 निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत निवेशकों की मदद करेगा। जल्द ही यूपी का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ताइवान का दौरा करेगा। इन्वेस्ट यूपी ने ताइवान की कंपनियों को राज्य के निवेश–अनुकूल आकर्षक प्रोत्साहन और सुविधाजनक कारोबारी माहौल का आश्वासन दिया। चर्चा में सेमीकंडक्टर, बायोप्लास्टिक्स, रक्षा, एयरोस्पेस और उन्नत तकनीक जैसे उच्च संभावनाशील क्षेत्रों में सहयोग पर भी जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद ने की।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार ने फोर्टिस ग्रेटर नोएडा में अत्याधुनिक पीआईसीयू (PICU) का किया उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (प्रत्यूष पाण्डेय).फोर्टिस ग्रेटर नोएडा ने आज अपने हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूती देते हुए अत्याधुनिक पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) की शुरुआत की। इस सुविधा का उद्घाटन भारतीय क्रिकेटर और जाने–माने क्रिकेट आइकन भुवनेश्वर कुमार ने किया। फोर्टिस ग्रेटर नोएडा का नया पीआईसीयू क्षेत्र के सबसे बड़े पीआईसीयू में से एक है, जिसमें 10 बेड और विशेष आइसोलेशन रूम शामिल हैं। यह यूनिट 1 माह से 18 वर्ष तक के बच्चों के इलाज के लिए बनाई गई है। इसमें अत्याधुनिक तकनीक जैसे पीडियाट्रिक वेंटिलेटर, नॉन–इनवेसिव वेंटिलेटर, कार्डियक और न्यूरोलॉजिकल मॉनिटरिंग, हीमोडायलिसिस, आर्टेरियल और सेंट्रल लाइन सपोर्ट, हाई–फ्रीक्वेंसी वेंटिलेटर और ईसीएमओ सपोर्ट उपलब्ध है। उद्घाटन के मौके पर क्रिकेटर भुवनेश्वर कुमार ने कहा, "मैं फोर्टिस ग्रेटर नोएडा को इस अत्याधुनिक पीआईसीयू की शुरुआत के लिए दिल से बधाई देता हूं। यह एक जरूरी पहल है। पीआईसीयू बच्चों की गंभीर बीमारियों के इलाज में अहम भूमिका निभाता है, दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है और मृत्यु दर को कम करने में सहायक साबित होता है।" फोर्टिस ग्रेटर नोएडा के कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स, डॉ. कुशाग्र गुप्ता ने कहा, "पीआईसीयू विशेष रूप से बच्चों के लिए बनाया गया आईसीयू है। बच्चों की बीमारियां बड़ों से अलग होती हैं, इसलिए उन्हें वयस्क आईसीयू में रखना उनके लिए सुरक्षित नहीं होता। संक्रमण का खतरा भी अधिक रहता है। शहरी इलाकों और यहां आबादी बढ़ने के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन की वजह से बच्चों से जुड़ी बीमारियों में तेजी आई है। डेंगू, मलेरिया, हेपेटाइटिस–ए, सांस का संक्रमण और एलर्जी–अस्थमा जैसी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में पीआईसीयू का होना बेहद जरूरी है, ताकि समय पर और टॉप क्लास इलाज मिल सके।" फोर्टिस हेल्थकेयर के जोनल डायरेक्टर मोहित सिंह ने कहा, "यह नई सुविधा हमारे समर्पण का प्रमाण है।

ईडी ने उन्नति फॉर्च्यून ग्रुप की 100 करोड़ की संपत्तियां कीं जब्त

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोएडा के उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड (यूएफएचएल) द्वारा विकसित की जा रही अरण्य परियोजना में करीब 100 करोड़ रुपये कीमत की संपत्तियों को सोमवार को जब्त कर लिया। यह संपत्तियां कंपनी के प्रमोटर अनिल मिठास की हैं। ईडी ने कंपनी के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद संपत्तियां जब्त की हैं। दरअसल, ईडी ने कंपनी के प्रमोटर अनिल मिठास, मधु मिठास और अन्य लोगों के खिलाफ निवेशकों की ओर से पुलिस में तमाम एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। इसके आधार पर ईडी ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में सामने आया कि कंपनी ने करीब 100.06 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है। अनिल मिठास द्वारा 2011 से 2019 के दौरान संबंधित पक्ष को इक्विटी निवेश, वरीयता शेयर, डिबेंचरध्बॉन्ड, ऋण और अग्रिम और सुरक्षा जमा आदि के जरिये कंपनी के कई बैंक खातों में निवेशकों की रकम में से 126.30 करोड़ रुपये डायवर्ट कर दिए गए। इससे परियोजनाएं पूरी नहीं हो पाईं और निवेशकों की रकम डूब गई।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए नगर निगम का ड्रोन से एंटी लार्वा छिड़काव अभियान

लखनऊ, (संवाददाता)। मच्छरजनित बीमारियों से शहरवासियों को सुरक्षित रखने के लिए नगर निगम लखनऊ ने विशेष अभियान छेड़ा है। इसके तहत कई दिनों से निरंतर चल रहे एंटी लार्वा छिड़काव में आधुनिक तकनीक के रूप में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे उन स्थानों तक भी उपचार पहुंच रहा है जहां पारंपरिक तरीकों से पहुंचना कठिन था। नगर निगम का मानना है कि ड्रोन तकनीक छिड़काव की गति और प्रभावशीलता दोनों बढ़ा रही है।नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोनल सेनेटरी ऑफिसरों द्वारा माइक्रो प्लान तैयार कर विभिन्न क्षेत्रों का चयन कर छिड़काव कराया जा रहा है। अब तक 50 स्थलों पर करीब 107 एकड़ क्षेत्र में ड्रोन द्वारा एंटी लार्वा का छिड़काव कर मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नियंत्रित किया जा चुका है। नगर निगम का कहना है कि यह अभियान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।शहर के कई इलाकों में छिड़काव का कार्य पूरा किया गया है। इनमें नंदा खेड़ा, मोती झील, पी.एम.टी. ग्राउंड, दरियापुर देवा कॉलोनी, बटलर पैलेस, जानकीपुरम वार्ड–3 के अंतर्गत रसूलपुर, अहंजर, मिर्जापुर, गुडम्बा, मिसरीपुर तथा वार्ड–2 के गुरियानपुरवा, गार्डन–2, अटल बिहारी वाजपेयी, पैरामाउंट, वार्ड–1 के मड़ियागांव, सरिया, मड़ियाटोला शामिल हैं। इसके अलावा फैजुल्लागंज मामा कॉलोनी–1 व 2, इंद्रप्रस्थ–1 व 2, सरस्वती डेंटल कॉलेज क्षेत्र, आदर्श नगर मटियारी, हिम सिटी देवा रोड, गणेशपुर, तकरोही इंदिरा नगर, कमता, अमराई गांव, कंचनपुर मटियारी, हनुमान मंदिर मटियारी, हरदासी खेड़ा, मायावती इंदिरा नगर, सुगमऊ रोड, जरहारा गांव, अवधा विहार, शमा विहार, विजय नगर, विराज खंड और लौलाई जैसे क्षेत्रों में भी छिड़काव किया गया है।नगर स्वास्थ्य अधिकारी पीके श्रीवास्तव ने बताया कि ड्रोन से छिड़काव से तालाबों, जलभराव वाले इलाकों और कठिन स्थानों तक आसानी से पहुंच बन रही है। इससे छिड़काव की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अभियान की निगरानी निरंतर की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर दोबारा छिड़काव कराया जाएगा।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता नागरिकों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देना है। मच्छरों के प्रजनन स्थलों पर समय रहते उपचार कर मच्छरों की संख्या नियंत्रित रखने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को बीमारियों से बचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और जलभराव वाले संवेदनशील इलाकों में विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके।

उत्तर प्रदेश सरकार ने बाल देखरेख संस्थाओं में बच्चों के समग्र विकास के लिए नई योजनाओं की शुरुआत की

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों के कल्याण और संबंधित कानूनों के क्रियान्वयन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई नवाचारों की शुरुआत की है। 7 सितम्बर 2025 को आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विभाग ने बाल देखरेख संस्थाओं में पुस्तकालय, कारागारों में आवासित महिला बंदियों के साथ निरूद्ध बच्चों के समग्र विकास एवं पुनर्वास के लिए 'सुरक्षित बचपन योजना', बाल देखरेख संस्थाओं में बच्चों के समग्र विकास हेतु पैडागॉजी फ्रेमवर्क और संस्थाओं में किए जा रहे अच्छे प्रयासों पर आधारित 'उड़ान पुस्तिका' का विमोचन किया।प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत कुल 131 बाल देखरेख संस्थाएं संचालित हैं, जिनमें संकटग्रस्त या निराश्रित बच्चों को घर जैसा वातावरण प्रदान किया जाता है। इन संस्थाओं में बच्चों को आश्रय, भोजन, शिक्षा, परामर्श, मनोरंजन और कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनने के अवसर दिए जाते हैं।कार्यक्रम में प्रत्येक बाल देखरेख संस्था में स्थापित पुस्तकालयों का डिजिटल उद्घाटन न्यायमूर्ति अरूण भसाली, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति अजय भनोट, न्यायाधीश एवं चेयरपर्सन, उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति, लीना जौहरी, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग, उ०प्र०, जकारी एडम, चीफ ऑफ फील्ड, यूनिसेफ, उ०प्र०, और दिवेश सामंत, निदेशक, न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान उपस्थित रहे। इन पुस्तकालयों में बच्चों की उम्र, रुचि, मनोरंजन, शैक्षणिक आवश्यकताओं और नैतिक विकास के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए पुस्तकों का समावेश किया गया है।इसके अतिरिक्त, 'सुरक्षित बचपन योजना' संबंधी पुस्तिका का विमोचन भी न्यायमूर्ति अरूण भसाली द्वारा किया गया। यह योजना उच्च न्यायालय के निर्देशों के क्रम में कारागारों में निरूद्ध महिला बंदियों के बच्चों के समग्र विकास और संरक्षण हेतु विकसित की गई है। योजना के अंतर्गत विभाग ने 266 बच्चों को चिन्हित कर उनकी व्यक्तिगत देखरेख योजनाएं बनाई हैं और कारागार विभाग के सहयोग से लगभग 52 बच्चों को औपचारिक शिक्षा से जोड़ा गया है।बाल देखरेख संस्थाओं में विशेषज्ञ सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभाग ने लखनऊ विश्वविद्यालय, भारखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय और छत्रपति साहू जी महाराज कानपुर विश्वविद्यालय के साथ एमओयू भी किया है। इसके तहत प्रशिक्षित शिक्षक, छात्र–छात्राएं और विषय विशेषज्ञ बच्चों को परामर्श, खेलकूद, स्कूल के बाद ट्यूशन, योग, ध्यान, कला, संगीत, नृत्य और करियर काउंसिलिंग सहित अन्य जीवन कौशल गतिविधियों में सहयोग देंगे।कार्यक्रम में प्रदेश की बाल देखरेख संस्थाओं में आवासित बच्चों के समग्र विकास हेतु ।

शहर मे संचालित ई रिक्शों पर नही दिखाई दे रहा संबंधित चालकों का नाम व मोबाइल नंबर

अयोध्या।पूरे प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए योगी सरकार ने संबंधित जिले के आरटीओ को आदेश दिए थे कि वे सभी अपने–अपने जिलों में संचालित सभी रिक्शों के आगे व पीछे चालकों का नाम तथा मोबाइल नंबर अंकित करवाये। जिससे किसी भी ई रिक्शा चालकों द्वारा महिलाओं बालिकाओं छात्रों के साथ अप्रिय घटना के स्थिति उत्पन्न हो तो समय रहते उक्त नंबर के माध्यम से संबंधित ई रिक्शा चालकों पर कार्यवाही की जा सके। इसके बावजूद आरटीओ विभाग अयोध्या का ध्यान इस आदेश पर नहीं जा रहा है जो कि महज कोरा कागज बन पर ही सिमट कर रह गया है। देखा जाए तो इस समय आरटीओ विभाग सिर्फ नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान के तहत एक दो जगह पर कार्यवाही कर रही है। जबकि देखा जाए अधिकतर कई ऐसे पेट्रोल पंप है जहां पर वाहन चालक बिना हेलमेट के पेट्रोल भर आते हुए नजर आ जाएंगे वहीं कहीं कहीं पेट्रोल पंपों पर एक एक दूसरे वाहन चालक पेट्रोल लेने के लिए हेलमेट का सजा भी कर ले रहे हैं। देखा जाए तो अयोध्या में आए दिन श्रद्धालुओ की भारी संख्या में भीड़ बनी रहती है वहीं महिलाओं

तथा लड़कियों की सुरक्षा के लिए आरटीओ विभाग द्वारा अभी तक ई रिक्शा चालकों पर ना तो किसी का चालक का नंबर और ना ही नाम अंकित है। जिससे यह प्रतीत होता है कि आरटीओ अयोध्या के लिए योगी सरकार का फरमान कोई मायने नहीं रखता। इस संबंध में ए आरटीओ प्रशासन डॉक्टर आरपी सिंह ने बताया की बीच–बीच में इस अभियान को लेकर कार्यवाही की जाती है और जिन ई रिक्शा चालकों पर नाम व मोबाइल नंबर नहीं अंकित होता तो उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाती है। फिलहाल वह चाहे जो भी कहें लेकिन शहर मैं संचालित ई रिक्शा चालकों के आगे पीछे ना तो किसी वाहन चालक का नंबर अंकित दिखाई देता नजर आ रहा है और ना ही मोबाइल नंबर।

उत्तर प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, राज्य संसाधन केन्द्र, उत्तर प्रदेश और इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (8 सितंबर, 2025) का आयोजन कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन परिसर में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व कुलपति बुन्देलखण्ड एवं कानपुर विश्वविद्यालय प्रो. जे. वी. वैशम्पायन ने अपने संबोधन में कहा कि किसी असाक्षर को केवल पढ़ना–लिखना सिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे गणित में आत्मनिर्भर बनाना और कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना पूर्ण साक्षरता की पहचान है। उन्होंने डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता पर भी जोर दिया।राज्य संसाधन केन्द्र और इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री संध्या तिवारी, आई.ए.एस. ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में लखनऊ नगर निगम के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, न्याय पंचायत–अजगैन, ब्लॉक–नवाबगंज (जिला–उन्नाव), न्याय पंचायत–निम्दीपुर, ब्लॉक–जरवल (जिला–बहराइच) एवं ग्राम–धनावल, ब्लॉक–मांडा (जिला–प्रयागराज) में संचालित साक्षरता केन्द्रों का ऑनलाइन उद्घाटन किया गया।साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय के उप निदेशक श्री शम्भु भान सिंह ने बताया कि भारत सरकार की "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम" योजना के तहत 2022–23 से 2026–27 तक प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों, विकासखण्डों, गांवों और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को स्वयंसेवकों के माध्यम से 200 घंटे की मॉड्यूल अवधि में साक्षर किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में 01 सितम्बर से 08 सितम्बर 2025 तक प्रदेश के सभी जनपदों में साक्षरता सप्ताह मनाया गया।

समयबद्ध तरीके से दीपोत्सव की करें तैयारी - कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में दीपोत्सव 2025 के संदर्भ में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। दीपोत्सव को सफलतापूर्वक आयोजन के लिए विश्वविद्यालय से संबद्ध नजदीकी महाविद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों एवं उनके प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने सभी शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि दीपोत्सव 2025 के सफल आयोजन के लिए तैयारी शुरू हो गई है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की पवित्र जन्म भूमि पर दीपोत्सव का आयोजन हम सभी के लिए एक पुनीत अवसर है। इस आयोजन में पूर्व की तरह आप सभी को स्वयंसेवकों का ऑनलाइन डाटा तैयार करना है। कुलपति ने कहा कि यह एक टीम वर्क का कार्य है इसमें सभी को समयबद्ध तरीके से मिलजुल कर यह कार्य पूरा करना है। दीपोत्सव के कार्य को पूर्ण करने के लिए लगभग 32000 से अधिक स्वयंसेवकों को पंजीकृत किया जाना है। सभी कार्य टाइम फ्रेम में चरणबद्ध रूप में करने हैं। दीपोत्सव के सफल आयोजन के लिए घाटों को सेक्टर में बांटा जाएगा। इस बार 26 लाख 11हजार एक सौ एक दीपों के प्रज्वलन का लक्ष्य है। इसको पूर्ण करने के लिए लगभग 28 लाख दीपों को बिछाए जाने का लक्ष्य हैं।कुलपति ने सभी विद्यालयों को सचेत करते हुए कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत छोटे बच्चों को स्वयंसेवक न बनाया जाए। विश्वविद्यालय को उसी क्रम में नए लक्ष्य हासिल करने हैं।सभी पदाधिकारियो को छोटे–छोटे बिंदुओं पर ध्यान देना होगा जिससे हम सभी मिलकर इस कार्य को पूर्ण कर सके। सुधार के हमेशा अवसर होते हैं इसलिए हमें इस आयोजन में तकनीक का प्रयोग करना होगा। स्वयंसेवकों को लाने ले जाने के लिए वाहनों के उचित प्रबंध पर भी चर्चा की गई।उपस्थित सभी संयोजकों को स्वयंसेवकों के पंजीयन के लिए ऑनलाइन डाटा तैयार करने की प्रक्रिया को कंप्यूटर प्रोग्रामर रवि मालवीय ने स्क्रीन पर प्रशिक्षित किया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, नोडल अधिकारी, प्रो. एसएस मिश्र, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दान पति तिवारी, डीआईओएस पवन कुमार तिवारी, नोडल शिक्षा डॉ. बसन्त कुमार के साथ राजकरण वैदिक पाठशाला इंटर कॉलेज, साहबदीन सीताराम इंटर कॉलेज, मनोहर लाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, शिव सावित्री महाविद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

महिला से हुई कुंडल लूट की वारदात का पाली पुलिस ने किया खुलासा'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली थाना पुलिस ने बुधवार को भगवंतपुर निवासी एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया, जिसके पास से अतर्जी मोड पर दिल्ली निवासी एक महिला से लूटे गये कुंडल बरामद हुए। करीब एक माह पूर्व महिला मान नगला जा रही थी, तभी रास्ते में बाइक सवार बदमाश ने उसके कुंडल छीनकर फरार हो गया था। ज्ञात हो कि सोनी देवी पत्नी रणधीर सिंह निवासी दिल्ली शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के आंझी स्थित अपने मायके आईं हुई थी, बीती 11 अगस्त को दोपहर को पचदेवरा क्षेत्र के मान नगला गांव जा रहीं थी। तभी रास्ते में पाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत अतर्जी मोड पर बाइक सवार अज्ञात बदमाश उनके कुंडल छीनकर फरार हो गया था। महिला ने पाली थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करके जांच शुरू की। थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार ने वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि मुकदमें की विवेचना के दौरान प्रकाश में आए सूरज पुत्र नन्हें निवासी मोहल्ला भगवंतपुर कस्बा व थाना पाली को पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया, जिसके पास से उपरोक्त महिला से लूटे गए कुंडल बरामद हुए। आरोपी शातिर बदमाश है, जिसके खिलाफ थाने पर दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट, गैंगस्टर आदि के मुकदमें पहले से ही दर्ज हैं।

संक्षिप्त खबरें

कोतवाली नगर में तैनात निरीक्षक अनिल राय बने सीओ

अयोध्या। कोतवाली नगर मे निरीक्षक पद पर तैनात अनिल राय सीओ बने।बताते चले कि यहाँ पर तैनात अनिल राय का ज्यादातर ड्यूटी प्रशिक्षण देने में बीता है।वे इस समय सीतापुर जिले में पुलिस कर्मियों को ट्रेनिग दे रहे है।अनिल राय के ट्रेनिग दिए हुए शिक्षार्थी को गुरुजी के सी ओ बनने पर खुशी जताई है वही निरीक्षक गुरुजी अनिल राय को सीओ बनने की बधाई दी।

बाल निकुंज श्साक्षी कनौजिया ने जीते गोल्ड मेडल

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ, बाल निकुंज इंटर कॉलेज गर्ल्स विंग मोहिबुल्लापुर सीतापुर रोड लखनऊ की छात्रा साक्षी कनौजिया ने अंडर–19 आयु वर्ग में ताइक्वांडो चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत कर कालेज का नाम रोशन किया है और स्टेट लेवल ताइक्वांडो चौंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है । लखनऊ मंडल स्तरीय यह चौंपियनशिप डॉ प्रदीप सिंह संयुक्त शिक्षा निदेशक षष्ठ मंडल लखनऊ के डायरेक्शन में जिला सीतापुर स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में दिनांक 9 सितम्बर 2025 को संपन्न हुई । । इस सफलता पर निकुंज परिवार ने ढेर सारी बधाइयां दी और साक्षी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। स्पोर्ट टीचर श्नाहिदा खानश की इस बड़ी सफलता के लिए कॉलेज प्रबंध निदेशक एचध् एन जायसवाल, प्रबंधिका श्रीमती पुष्पा जायसवाल एवं प्रधानाचार्या भगवती भंडारी ने इनके अथक प्रयास की सराहना की ।

आईजीआरएस में खराब प्रदर्शन के लिए 18 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश – डीएम

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के तहत अगस्त माह में शिकायतों के निस्तारण में खराब प्रदर्शन सामने आया है। शिकायतकर्ताओं से मिले असंतोषजनक फीडबैक के कारण जिले की प्रदेश में रैंकिंग गिर गई है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने खराब प्रदर्शन के लिए 18 अधिकारियों का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। इनमें अधिशासी अभियंता विद्युत प्रथम, प्रभागीय वनाधिकारी, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला युवा कल्याण अधिकारी शामिल हैं। समीक्षा में पाया गया कि शिकायतों का निस्तारण बिना स्थलीय निरीक्षण के किया जा रहा है। सबसे खराब प्रदर्शन तहसीलदार सदर का रहा। इसके अलावा मड़ियाहूं, शाहगंज, बदलापुर और मछलीशहर के तहसीलदारों का प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं रहा। बीडीओ बरसठी, जलालपुर, करंजाकला, धर्मापुर, सिरकोनी के साथ बदलापुर नगर पंचायत, नगर पालिका जौनपुर और मड़ियाहूं के अधिशासी अधिकारियों का भी एक दिन का वेतन रोका गया

स्पिक मैके स्टडी हॉल स्कूल ने कथकली कलाकार कलामंडलम एम. अमलजीत का स्वागत किया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल स्कूल ने स्पिक मैके (भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को युवाओं तक पहुँचाने के लिए बनी संस्था) के सहयोग से

प्रसिद्ध कथकली कलाकार कलामंडलम एम. अमलजीत का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम दो जगह हुआ दृ स्टडी हॉल विद्यास्थली, मलिहाबाद और स्टडी हॉल, गोमती नगर, लखनऊ। अमलजीत ने कथकली, केरल की शास्त्रीय नृत्य–नाट्य परंपरा, प्रस्तुत की। उन्होंने नवरस (नौ भावनाएँ) दिखाए और समझाया कि किस तरह यह कला रूप भाव–भंगिमा और हाथ की मुद्राओं से भारत की कहानियाँ और संस्कृति को जीवंत करता है। उनके साथ सुरेश कुमार आर., ओमणाकुट्टन, विनोद कुमार और सुनील एस. ने संगीत और वादन से प्रस्तुति को सहयोग दिया। छात्रों के लिए यह एक अनोखा अनुभव था। कई बच्चों ने पहली बार कथकली को करीब से देखा। कलाकारों ने बच्चों से बातचीत भी की और बताया कि कथकली सीखने के लिए कितनी मेहनत, अनुशासन और वर्षों की साधना की जरूरत होती है। कलामंडलम एम. अमलजीत ने अपने विचार साझा करते हुए कहारू "कथकली केवल नृत्य नहीं है, यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक कहानियों को बाँटने का एक माध्यम है। भाव और गतियों के जरिए हम हर इंसान की भावनाओं को छू सकते हैं। मैं स्पिक मैके और स्टडी हॉल स्कूल का आभारी हूँ कि मुझे बच्चों से यह साझा करने का अवसर मिला।" डॉ. उर्वशी साहनी, संस्थापक और सीईओ, स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन, ने कहारू "कथकली जैसी शास्त्रीय कला को स्कूलों में लाना केवल प्रदर्शन भर नहीं है, यह शिक्षा का हिस्सा है। इससे हमारे बच्चों को भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सीधे अनुभव करने का मौका मिलता है।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, ने अयोध्या में न्यूरोलश्वजी और ऑर्थोपेडिक्स ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

अयोध्या। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने आज अयोध्या में विशेष न्यूरोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। यह पहल शहर की दो प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्रों दृ निर्मला हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर और रेनू मेमोरियल ऑर्थो एंड मेडिकल सेंटर, अयोध्या के सहयोग से की गई है। इन सेवाओं का शुभारंभ डॉ. ऋषभ जायसवाल, सीनियर कंसल्टेंट दृ ऑर्थोपेडिक सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट, और डॉ. देबज्योति धर, एसोसिएट कंसल्टेंट दृ न्यूरोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की उपस्थिति में किया गया। डॉ. ऋषभ जायसवाल, हर महीने के दूसरे बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रेनू मेमोरियल ऑर्थो एंड मेडिकल सेंटर और डॉ. देबज्योति धर, हर महीने के दूसरे बुधवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्मला हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर, अयोध्या में परामर्श और फॉलो–अप के लिए उपलब्ध रहेंगे। डॉ. ऋषभ जायसवाल, सीनियर कंसल्टेंट दृ ऑर्थोपेडिक सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने कहा, ष्हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी समस्याएं जैसे गठिया, फ्रैक्चर और खेल संबंधित चोटों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जॉइंट रिप्लेसमेंट, आर्थोस्कोपी और ट्रॉमा मैनेजमेंट में आई नई तकनीकों के साथ, मरीजों को सही समय पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन मिलना बेहद जरूरी है। हमारी ओपीडी सेवाएं अयोध्या और आस–पास के जिलों के लोगों के लिए इस आवश्यकता को पूरा करेंगी। डॉ. देबज्योति धर, एसोसिएट कंसल्टेंट दृ न्यूरोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने कहा, ष्अयोध्या में इन ओपीडी सेवाओं की शुरुआत से मरीजों को उनके घर के पास ही विशेषज्ञ न्यूरोलॉजिकल देखभाल उपलब्ध होगी। स्ट्रोक, माइग्रेन, एपिलेप्सी और मूवमेंट डिसऑर्डर्स जैसी बीमारियों के लिए समय पर निदान और इलाज आवश्यक है। इस पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य है कि अब क्षेत्र के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए दूर–दराज की यात्रा न करनी पड़े। इन ओपीडी सेवाओं के अंतर्गत न्यूरोलॉजी विभाग में माइग्रेन, स्ट्रोक, एपिलेप्सी, न्यूरोजेनेटिक और बच्चों में होने वाले न्यूरोलॉजिकल विकारों का इलाज किया जाएगा। वहीं ऑर्थोपेडिक्स के अंतर्गत घुटना और कुल्हा प्रत्यारोपण, आर्थोस्कोपी, जटिल ट्रॉमा, विकृति सुधार और बाल हड्डी रोग से संबंधित सेवाएं दी जाएंगी। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं विशेषकर कैंसर के इलाज की पहुंच को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है ।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस मुठभेड़ में एक शातिर अपराधी गिरफ्तार,पैर में लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,10 सितंबर । अपराधियों के खिलाफ चल रहे पुलिस अभियान के तहत जलालपुर पुलिस और एसओजीध्स्वाट टीम द्वारा मंगलवार बीती रात कुख्यात अपराधी अखिलेश यादव और पुलिस में हुए मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया और मौके से गिरफ्तार कर लिया गया उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और नकदी भी बरामद हुई है। इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक जलालपुर गजानन्द चौबे पुलिस टीम के साथ त्रिलोचन बाजार में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक प्रवीण यादव भी टीम के साथ पहुंचे। मुखबिर ने सूचना मिली कि अखिलेश यादव जो एक पुलिस मुठभेड़ में फरार हो गया था, ककोरी–खालिसपुर की तरफ से नहर रोड होते हुए हाईवे की ओर जा रहा है बनारस भागने की फिराक में है। सूचना पर दोनों पुलिस टीमें तुरंत घेराबंदी कर हाईवे किनारे झाड़ियों में छिप गईं। कुछ ही देर बाद संदिग्ध युवक पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह पीछे मुड़कर भागने लगा और खुद को घिरा देखकर पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मसमर्पण के लिए बार–बार कहा, लेकिन वह मानने के बजाय पुलिस को निशाना बनाकर गोलियां चलाने लगा। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अखिलेश यादव को गोली लगी और वह मौके पर घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिरफ्तार बदमाश अखिलेश यादव पुत्र स्व. देवचन्द्र यादव निवासी कुसरना महादेवा थाना केराकत जौनपुर आपराधिक इतिहास भी है। उसके खिलाफ हत्या का प्रयास, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी, रंगदारी और आबकारी अधिनियम सहित करीब 17 से अधिक मुकदमे जौनपुर और आजमगढ़ के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

'जीवन का आनंद लें और खुश रहें।'

हँसिए, मिलिए, बात कीजिएष का अर्थ है मुस्कुराओ, मिलो, और बात करो। यह एक भावनात्मक अपील है जो लोगों को हँसने, मिलने और बात करने के लिए प्रोत्साहित करती है, क्योंकि कोई नहीं जानता कि जीवन कब खत्म हो जाए। इस वाक्य का प्रयोग लोगों को जीवन का आनंद लेने और रिश्तों को महत्व देने के लिए प्रेरित करने के लिए किया जाता है। यह एक भावनात्मक और प्रेरणादायक संदेश है कि जीवन क्षणभंगुर है, इसलिए हमें हर पल का आनंद लेना चाहिए, अपनों के साथ समय बिताना चाहिए और खुश रहना चाहिए. यह कहावत जीवन की नश्वरता को दर्शाती है। यह याद दिलाती है कि जीवन अनिश्चित है और हमें रिश्तों में एक–दूसरे से बात करनी चाहिए और अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए, क्योंकि यह नहीं पता कि कब क्या आखिरी बार होगा।

क्लासिक लीजेंड्स ने अपनी मशहूर परफॉर्मेंस क्लासिक्स की नई कीमतों की घोषणा की

लखनऊ। क्लासिक लीजेंड्स (सीएल) ने जावा–यज्दी मोटरसाइकिलों के तहत अपनी मशहूर परफॉर्मेंस क्लासिक्स की नई कीमतों की घोषणा की। इनमें से एडवेंचर, रोडस्टर, बॉबर से लेकर स्क्रैम्बलर तक ज्यादातर मोटरसाइकिलें अब 2 लाख रुपये से कम कीमत पर उपलब्ध होंगी। दशकों पहले, नीतिगत बदलाव के चलते 2–स्ट्रोक मोटरसाइकिलों पर प्रतिबंध लग गया था, जिन्हें पर्यावरण के लिए अनुपयुक्त माना गया। इसी के साथ भारत में जावा और यज्दी की यात्रा थम गई थी, जो तब अपने सेगमेंट की मार्केट लीडर थीं। इस माह, एक और प्रगतिशील नीतिगत बदलाव ने इन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है। जावा–यज्दी मोटरसाइकिल्स के सह–संस्थापक, अनुपम थरेजा ने कहा सरकार के साहसिक और समयानुकूल जीएसटी सुधार समाज के बड़े हित के लिए ऐतिहासिक बदलाव साबित होंगे, बिल्कुल वैसे ही जैसे 2–स्ट्रोक से 4–स्ट्रोक इंजन का संक्रमण हुआ था। क्लासिक लीजेंड्स इस जीएसटी सुधारों का स्वागत करता है, खासकर 350सीसी से कम मोटरसाइकिलों के लिए 18प्रतिशत की कम दर का, जिसमें हमारी 293सीसी और 334सीसी जावा और यज्दी परफॉर्मेंस क्लासिक्स आती हैं। भले ही इससे हमारी 652सीसी बीएसए गोल्ड स्टार जैसी हाई–सीसी मोटरसाइकिलों पर टैक्स बोझ बढ़ता है, लेकिन यह प्रगतिशील कर व्यवस्था का हिस्सा है। इस बदलाव से मिड–सेगमेंट की बाइक्स बड़े समुदाय के लिए सुलभ होंगी दृ और यह भारत की मोटरसाइक्लिंग संस्कृति के लिए एक बड़ी जीत है। हम माननीय वित्त मंत्री का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने मांग को नया प्रोत्साहन दिया है, जो आर्थिक मंदी और वैश्विक शुल्क युद्ध के बीच अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देगा। दशकों पहले, नीतिगत बदलाव से हमारे ब्रांड्स का अस्तित्व धूमिल हो गया थाय आज, नीति दृष्टिकोण उन्हें उनकी ऐतिहासिक पहचान वापस दिला रहा है। हम ग्राहकों को 100प्रतिशत जीएसटी लाभ देंगे। त्योहारी सीजन के साथ यह संदेश है युवाओं के लिए, जो सच्ची प्रतिष्ठित परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल का सपना देखते हैंरू अब आपका समय है।" जीएसटी 2.0 सुधारों के साथ, जावा और यज्दी को पीपुल्स परफॉर्मेंस क्लासिक्स के रूप में नया जीवन मिल रहा है, जो एक बार फिर भारत की मोटरसाइक्लिंग संस्कृति का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। सभी जावा–यज्दी मोटरसाइकिलें या तो 293सीसी या 334सीसी अल्फा2 लिक्विड–कूल्ड इंजन के साथ आती हैं, जिनमें से 334सीसी इंजन 29 पीएस पावर और 30 एनएम टॉर्क के साथ अपने सेगमेंट की अन्य बाइक्स से बेहतर प्रदर्शन करता है। ऐसी कीमतों पर, जो युवा भारत की प्रतिष्ठित क्लासिक मोटरसाइकिल पाने की आकांक्षाओं को पहले से कहीं अधिक सुलभ बनाती हैं, जावा–यज्दी मोटरसाइकिलें हाई–फैशन रेट्रो मशीनों को वापस ला रही हैं, जिनमें सेगमेंट–तोड़ डिजाइन, विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग और भारतीय सड़कों के लिए उपयुक्त परफॉर्मेंस टेक्नोलॉजी शामिल है। मानसिक शांति की गारंटीः क्लासिक लीजेंड्स अपने ग्राहकों को आफ्टर–सेल्स कॉम्पोनेंट्स में भी जीएसटी 2.0 लाभ का पूरा फायदा देगा, जिससे ओनरशिप कॉस्ट काफी घटेगी। क्लासिक लीजेंड्स की सभी मोटरसाइकिलें 'जावा– यज्दी–बीएसए ओनरशिप एश्योरेंस प्रोग्राम' के अंतर्गत आती हैं दृ जो इस सेगमेंट में उद्योग की पहली पहल है। यह व्यापक कार्यक्रम 4 सालध्50,000 किमी की स्टैंडर्ड वारंटी, 6 साल तक के एक्सटेंडेड कवरेज विकल्प, 1 साल की रोडसाइड असिस्टेंस और कई ओनरशिप लाभों को शामिल करता है, जो कंपनी के इंजीनियरिंग कौशल और अपनी मोटरसाइकिलों की दीर्घकालिक विश्वसनीयता पर भरोसे को दर्शाता है। यह एश्योरेंस प्रोग्राम अब पूरे भारत में इसके सभी सेल्स और सर्विस नेटवर्क टचप्वाइंट्स पर उपलब्ध है, ।

डॉ. कीर्ति सिंह को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि

हरदोई, (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आर.आर. इंटर कॉलेज एवं बाल विद्या भवन इंटर कॉलेज, हरदोई की प्रबंध निदेशिका डॉ. कीर्ति सिंह को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से अंग्रेजी विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई है। डॉ. कीर्ति सिंह लंबे समय से शिक्षा जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। वह न केवल एक कुशल शिक्षाविद् हैं बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। उनकी प्रबंधन क्षमता एवं शैक्षिक दृष्टिकोण ने

दोनों संस्थानों को नई दिशा प्रदान की है। शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सक्रिय रहने के कारण उन्हें क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व के रूप में देखा जाता है। उनकी इस उपलब्धि से शैक्षिक जगत एवं समाज में खुशी की लहर है।

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर काशीराम साहब के परिनिर्वाण दिवस को लेकर हुई बैठक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती के दिशा निर्देशानुसार जिला स्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में 21वीं सदी के महानायक एवं दलितों को राजनीतिक सत्ता का स्वाद चखाने वाले, बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर काशीराम साहब के परिनिर्वाण दिवस 9 अक्टूबर को श्रद्धांजलि देने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश चन्द्रा पूर्व विधान परिषद सदस्य मुख्य मण्डल प्रभारी प्रयागराज मिर्जापुर वाराणसी मण्डल रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवनीश कुमार मुख्य मण्डल प्रभारी वाराणसी मण्डल विशिष्ठ अतिथि डॉ विनोद कुमार मुख्य मण्डल प्रभारी वाराणसी मण्डल, शोभनाथ चौधरी, मण्डल प्रभारी वाराणसी मण्डल, अनिल कुमार गौतम मण्डल प्रभारी वाराणसी मण्डल, अमरनाथ एडवोकेट मण्डल प्रभारी वाराणसी मण्डल, ओम प्रकाश गौतम जिला प्रभारी, सुरेन्द्र गौतम जिला प्रभारी कार्यक्रम का संचालन डॉ संग्राम भारती जिलाध्यक्ष ने किया। कार्यक्रम में अजय कुमार भारती जिला संयोजक भाईचारा,इस्तेयार खान जिला उपाध्यक्ष, डॉ अनिल शर्मा जिला महासचिव, चन्द्रेज भारती जिला सचिव, जयनाथ बिंद, साहब लाल जिला कार्यकारणी सदस्य ,आर डी निराला जिला बी वी एफ, सिरजू प्रसाद उर्फ बाबा भैया पूर्व जिलाध्यक्ष , रामचन्दर नागर, शम्भु गौतम, भजन लाल माली, संजय गौतम जिलेदार गौतम डॉक्टर संजय गौतम मंगरु राम रामस्वारथ संतोष कुमार आनंद राव डॉक्टर अखिलेश चंद्र, तीर्थराज गौतम विनय राव एडवोकेट के साथ–साथ जिले के विधानसभा के सम्मानित पूर्व व वर्तमान के पदाधिकारी कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे । बहन जी के नीतियों में आस्था विश्वास रखते हुए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।